
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12th HISTORY
ई-पाठशाला
विद्रोही अंदाज़
ONE SHOT
पूरा चैप्टर एक ही क्लास में ...
03 OCT 2026 || 03:30 PM

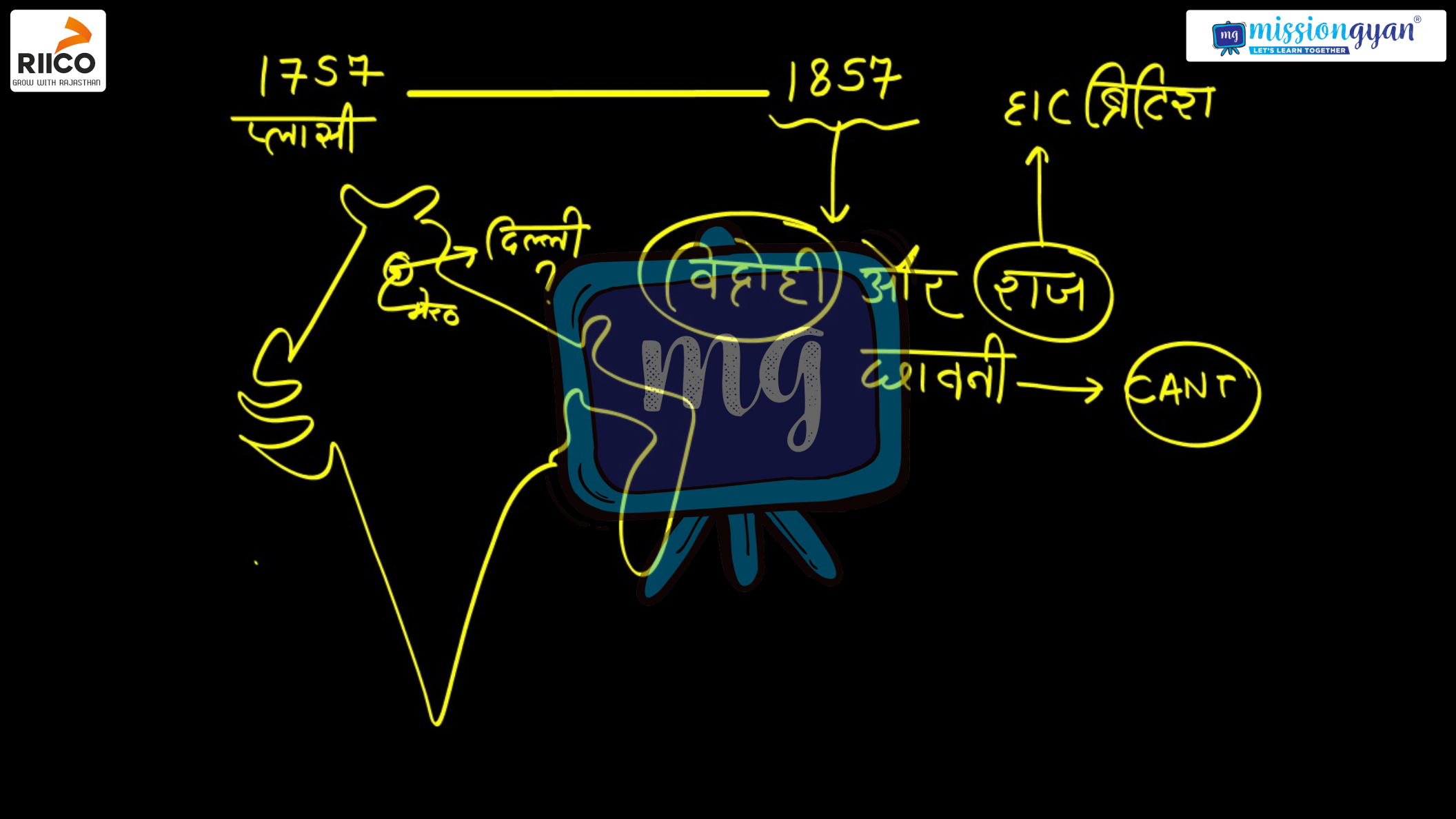
1757
प्लासी
1857
EIC ब्रिटिश
दिल्ली
?
मेरठ
विद्रोही
और
राज
छावनी
CANT

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



राजनीतिक

1. सहायक ✓
2. गोद निषेध ✓
3. मुगल ×
4. राजा ×

सामाजिक - धार्मिक

1. ईसाई ↑
2. सामाजिक धार्मिक सुधार
3. अफवाह

सैन्य

आर्थिक

निर्यात ↑ - आयात ↓

तात्कालिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



परिचय

- विदेशी शासन का प्रारम्भ 1757 प्लासी के युद्ध के बाद।

↓

100 वर्ष बाद

- 1857 में विदेशी शासन के विरुद्ध पहला बड़ा आंदोलन भारतीयों के द्वारा किया गया।
- कारण : पिछले 100 वर्षों में कम्पनी के द्वारा जो अन्याय पूर्ण शासन भारतीयों पर किया वे सभी विद्रोह के कारण थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

The Enfield rifle



This percussion-lock rifle was produced in the British Ordnance Factory at Enfield near London. It came into use in the British army in 1853. Shortly afterwards it was sent out for trials for the Company army in India. The 'rifling' on the inside of the barrel made the shot more accurate and gave the weapon a greater range. It was an enormous improvement on the Brown Bess smooth-bore flintlock musket which had been the standard weapon of all British forces since the early eighteenth century.

A greased cartridge

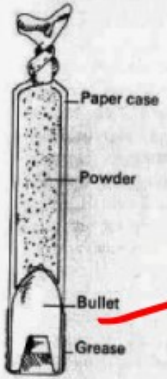

How it was loaded

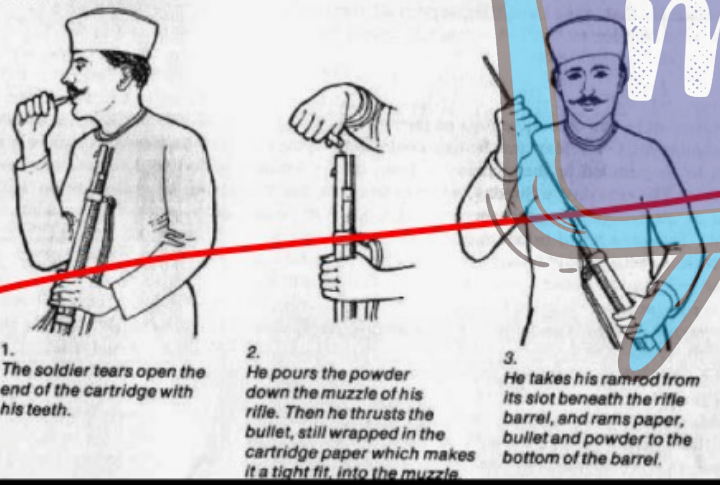

1. *The soldier tears open the end of the cartridge with his teeth.*
2. *He pours the powder down the muzzle of his rifle. Then he thrusts the bullet, still wrapped in the cartridge paper which makes it a tight fit, into the muzzle.*
3. *He takes his ramrod from its slot beneath the rifle barrel, and rams paper, bullet and powder to the bottom of the barrel.*

ब्राउन बेश राइफल → एलफील्ड राइफल

चर्बी युक्त कारतूस इस्तेमाल होते थे

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- तोप का गोला दागो
  गाय + बिगुल बजाकर
  ↓
  विद्रोह की शुरुआत

सैन्य विद्रोह कैसे शुरु हुए ?

- प्रारम्भ - 10 मई 1857 को मेरठ छावनी से प्रारम्भ हुआ।
  दिल्ली में विद्रोह
- नेतृत्व - बहादुरशाह II / बहादुर शाह जफर
- जैसे-जैसे विद्रोह की खबरें एक शहर से दूसरे शहर पहुंचती गयी वैसे-वैसे सिपाही हथियार उठाते गये।
- सिपाही किसी विशेष संकेत के साथ अपनी कार्यवाही शुरु करते थे।
- सबसे पहले उन्होंने शस्त्रागार पर कब्जा किया और सरकारी खजाने को लूटा।

Q. 1857 - विद्रोह की शुरुआत किस प्रकार हुई ?

- विद्रोह मे आम लोगो के भी शामिल हो जाने के साथ साथ विद्रोह का दायरा फैल गया।
- साहूकार और अमीर भी विद्रोहियों के गुस्से का शिकार बनने लगे।
- ब्रिटिश शासन ताश के किले की तरह बिखर गया।

सेना + लोग।

अंग्रेज ×
साथी
साहूकार ×
अमीर ×

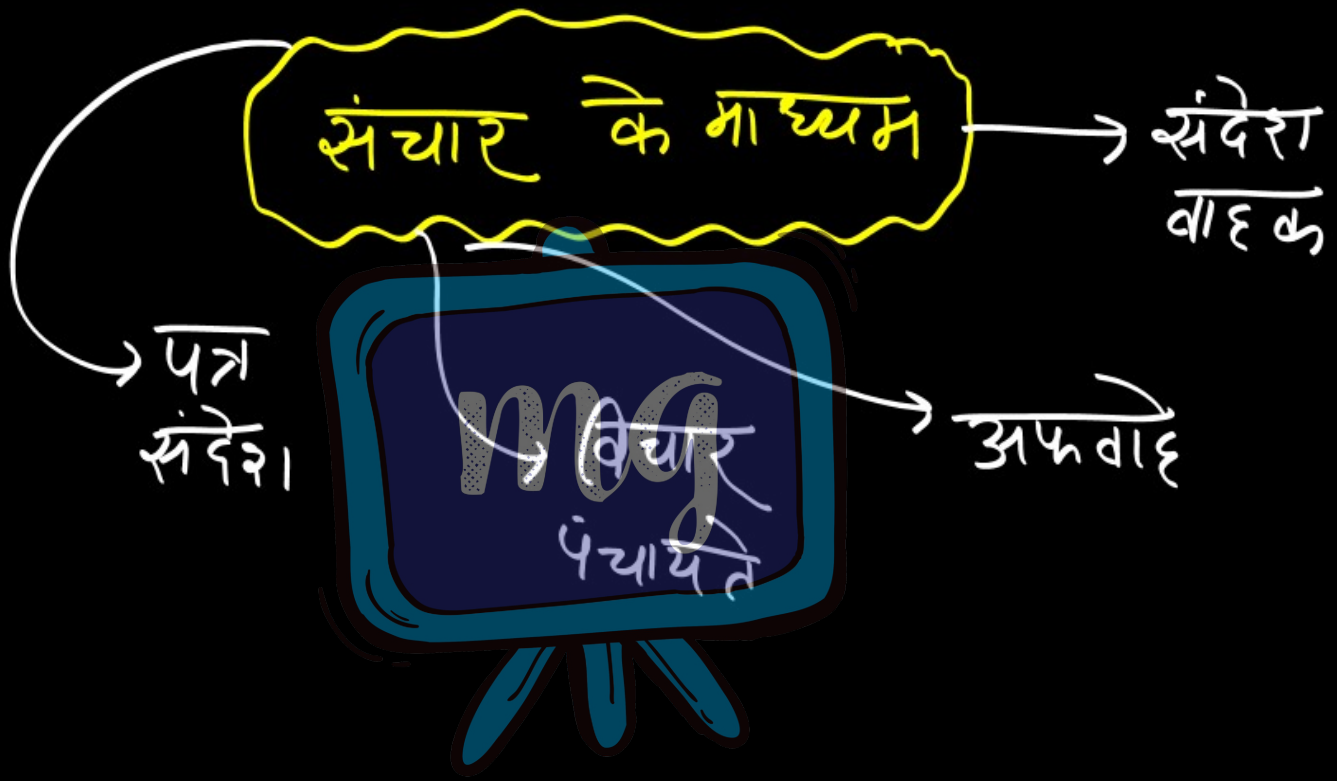
संचार के माध्यम
संदेश वाहक
पत्र संदेश।
विचार
अफवाह
पंचायत

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संचार के माध्यम

उदाहरण :-

7वी अवध इर्रेग्यूलर इनफैंटरी (कारतूस)

"हमनें अपने धर्म की रक्षा के लिए फैसले लिए हैं, और 48 नेटिव इंफैंटरी के हुक्म का इंतजार है"

- विभिन्न छावनियों के सिपाहियों के बीच अच्छा संचार बना हुआ था।
- रात में सिपाहियों की पंचायतें जुड़ती थी और उनमें सामूहिक रूप से फैसले लिये जाते थे।
- ये योजनाएँ कैसे बनायी गयी?
- योजनाकार कौन थे?
- मौजूदा दस्तावेजों के आधार पर इन सवालों के सीधे सीधे जवाब देना कठिन है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- संभवतया इस विद्रोह की योजना लंदन में बनायी गयी थी।
  1. अजीमुल्ला खान – नाना साहब के सलाहकार
  2. रंगो जी बापू – सतारा के राजा के सलाहकार
- क्रान्ति का प्रतीक – कमल का फूल और रोटी
- प्रारम्भ करने की तिथि – 31 मई 1857

Q. विद्रोह की शुरुआत कैसे हुई?

Q. विद्रोही के बीच संचार के माध्यम कैसे थे?



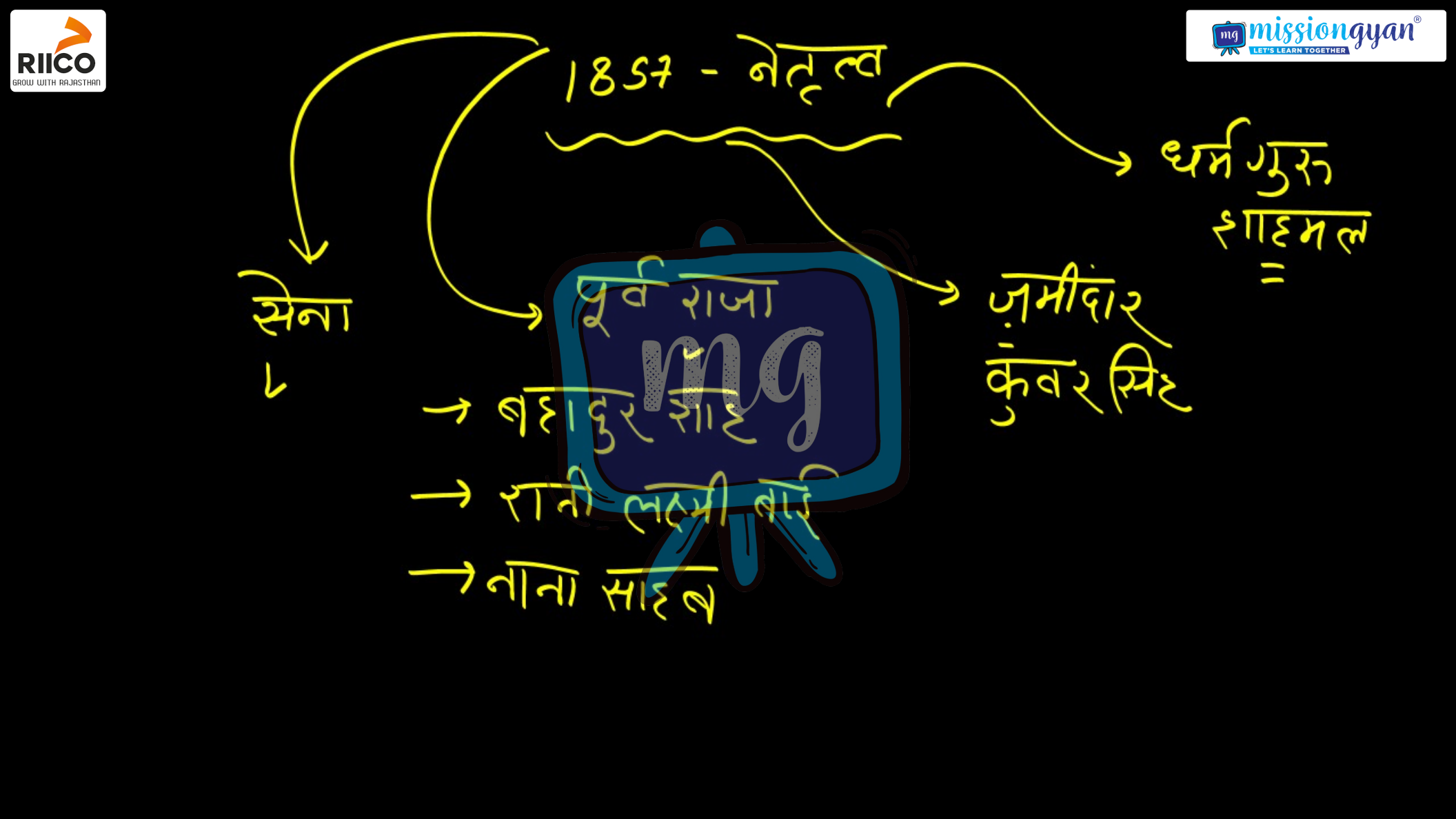
1857 - नेतृत्व
सेना
पूर्व राजा
→ बहादुर शाह
→ रानी लक्ष्मी बाई
→ नाना साहब
ज़मींदार
कुंवर सिंह
धर्म गुरु
शाहमल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. 1857 के विद्रोह के दौरान किन नेताओं का योगदान देखा जा सकता है?



नेता और अनुयायी :-

- अंग्रेजों से लौहा लेने के लिए नेतृत्व और संगठन जरूरी था।
- विद्रोहियों ने ऐसे लोगों की शरण ली जो अंग्रेजों से पहले नेताओं की भूमिका निभाते थे। जिन्हें अंग्रेजों ने उखाड़ फेंका था।

जैसे – मेरठ के सिपाहियों ने दिल्ली पहुंच कर मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर को नेतृत्व स्वीकार करने के लिए मना लिया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कानपुर में पेशवा बाजीराव द्वितीय के उत्तराधिकारी नाना साहब को नेता बनाया।
- झाँसी – रानी लक्ष्मीबाई
- अवध (लखनऊ) – नवाब वाजिद अली शाह के पुत्र बिरजिस कद्र और बेगम हजरत महल
- आरा (बिहार) – जमींदार कुंवर सिंह
- इन विस्थापित शासकों में से अधिकांश स्थानीय लोगों के दबाव के कारण और कुछ अपने स्वयं के उत्साह के कारण विद्रोह में शामिल हुए थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कुछ अन्य स्थानों पर स्थानीय नेता या धार्मिक नेता सामने आ चुके थे।

  जैसे – छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम के एक आदिवासी काश्तकार गोन ने कोल आदिवासियों का नेतृत्व संभाला था।

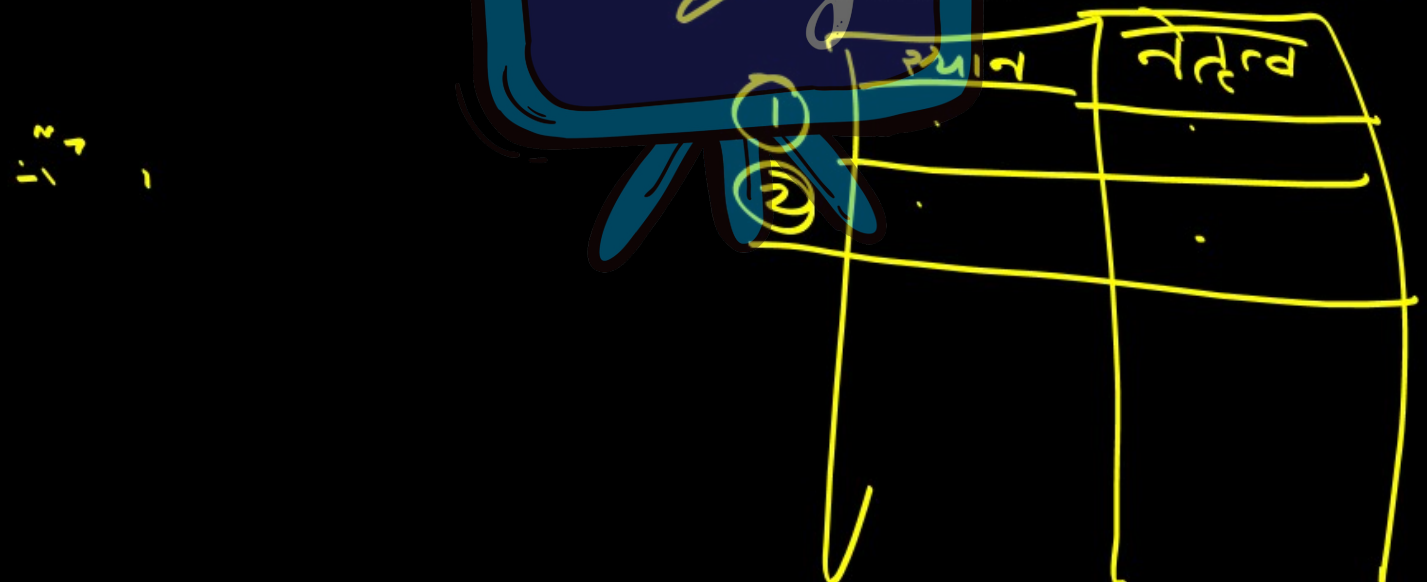

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पादरी / मिशनरी

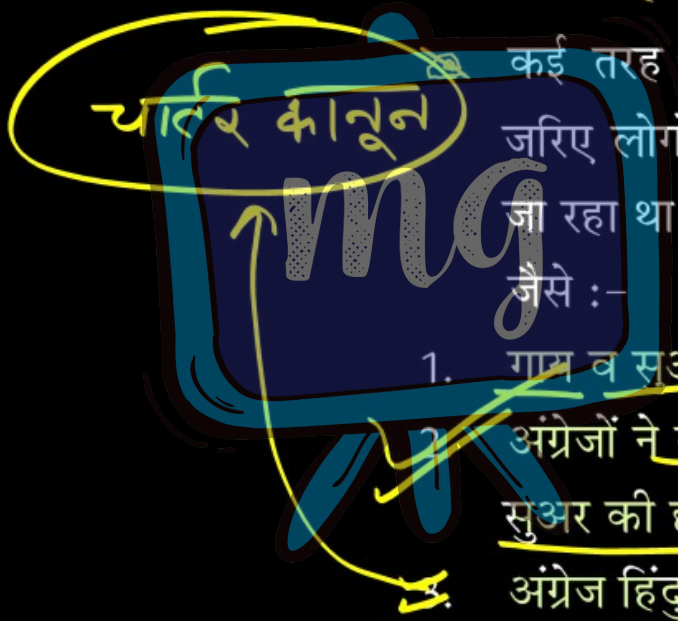

अफवाहें और भविष्यवाणियाँ –

कई तरह की अफवाहों और भविष्यवाणियों के जरिए लोगों को उठ खड़ा होने के लिए उकसाया जा रहा था।

जैसे :–

1. गाय व सुअर की चर्बी का लेप लगे हुए कारतूस।
2. अंग्रेजों ने बाजार में मिलने वाले आटे में गाय और सुअर की हड्डियों का चूरा मिलवा दिया।
3. अंग्रेज हिंदुस्तानियों को ईसाई बनाना चाहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1757

1857

4. भविष्यवाणी : प्लासी के युद्ध के 100 साल पूरे होते ही 23 जून 1857 को अंग्रेजी राज खत्म हो जायेगा।

इन अफवाहों और भविष्यवाणियों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह करने के लिए महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक कारण प्रदान किये।

कमल - रोटी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1.5

Pg 265

1820 - लॉर्ड विलियम बेंटिंक

+ राजाओं का निष्कासन

- पाश्चिमी शिक्षा
- पाश्चिमी विचार
- पाश्चिमी संस्थाएँ

समाज को सुधारने का प्रयास

लोग - "हम जिसको पवित्र मानते हैं, वो ही रत्न कर देते हैं अंग्रेज ॥

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लोग अफवाहों में विश्वास क्यों कर रहे थे ?

अफवाह तभी फैलती है जब उसमें लोगों के जहन में गहरे दबे डर और संदेह की गूंज सुनायी देती है।

लोगों के पास अफवाहों पर विश्वास करने का आधार था :–

1. 1813 इस्वी में ईसाई मिशनरियों को भारत में ईसाई धर्म का प्रचार करने की खुली छूट दे दी गयी।
2. 1856 ई. में लॉर्ड कैनिंग के द्वारा लागू ''सामान्य सेना भर्ती अधिनियम''।
3. लॉर्ड डलहौजी द्वारा लागू ''धार्मिक निर्योग्यता अधिनियम 1850'' – ईसाई धर्म ग्रहण करने वाले व्यक्ति को पैतृक सम्पत्ति में अधिकार दिया गया।

4. 1829 – सती प्रथा को खत्म किया गया – लॉर्ड विलियम बैंटिक के द्वारा।
5. 1856 – विधवा विवाह को मान्यता दी गयी।
6. लॉर्ड डलहौजी की राज्य हड़प नीति।

Q. 1857 के विद्रोह के संदर्भ में बताइए की कौन सी अफवाहें फैल रही थी?

Q. अंग्रेजों द्वारा इसे को कौनसे कार्य किए गए जिससे लोग अफवाहों में विश्वास करने थे?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

① समाज-धर्म सुधार आंदोलन

② राजा ×

③ धर्मतिरण

④ पश्चिमीकरण

- विचार
- शिक्षा
- प्रशासन

सती ×

✓ विधवा पुनर्विवाह



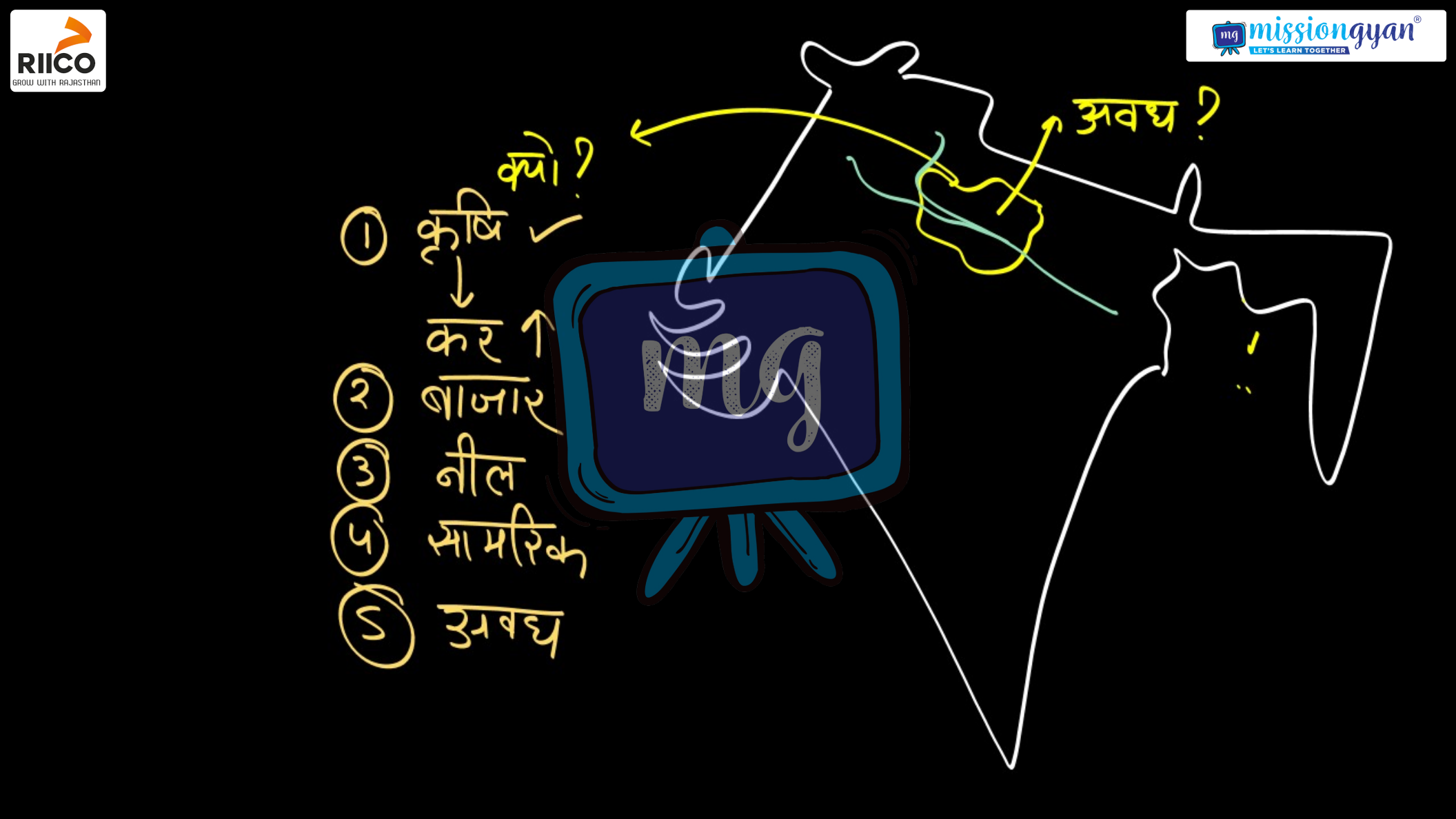
क्यो ?
अवध ?
① कृषि
कर ↑
② बाजार
③ नील
④ सामरिक
⑤ अवध

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2.

Pg 266

अवध मे विद्रोह

1801 - सहयक संधि



नवाब कमजोर पड़ने लग गया

अवध क्यो ?

1) कमजोर नवाब ✓
2) बजार
3) नील - कपास खेती ✓

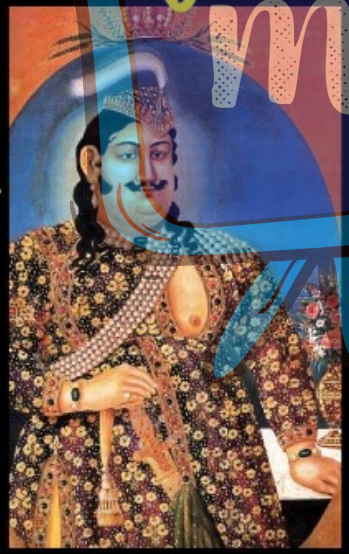

अवध का अधिग्रहण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अवध की कहानी –

- 1801 ई. में लॉर्ड वेलेजली के द्वारा अवध के नवाब से सहायक संधि की गयी।

संधि की शर्ते :–

1. नवाब अपनी सेना खत्म कर दें।
2. रियासत में अंग्रेज टुकड़ियों की तैनाती की इजाजत दे।
3. राज दरबार में एक ब्रिटिश रेजीडेंट की नियुक्ति की जाये और नवाब उसी की सलाह पर काम करें।

- नवाब सैनिक ताकत से वंचित हो जाने के बाद दिनोदिन अंग्रेजों पर निर्भर होते गये।

- अवध सम्पन्न रियासत थी।
- लॉर्ड डलहौजी : ''ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुंह में आकर गिरेगा।''
- 1856 में लॉर्ड डलहौजी के द्वारा अवध का अधिग्रहण कर लिया गया।
- नवाब : वाजिद अलीशाह पर कुशासन का आरोप लगाया गया।

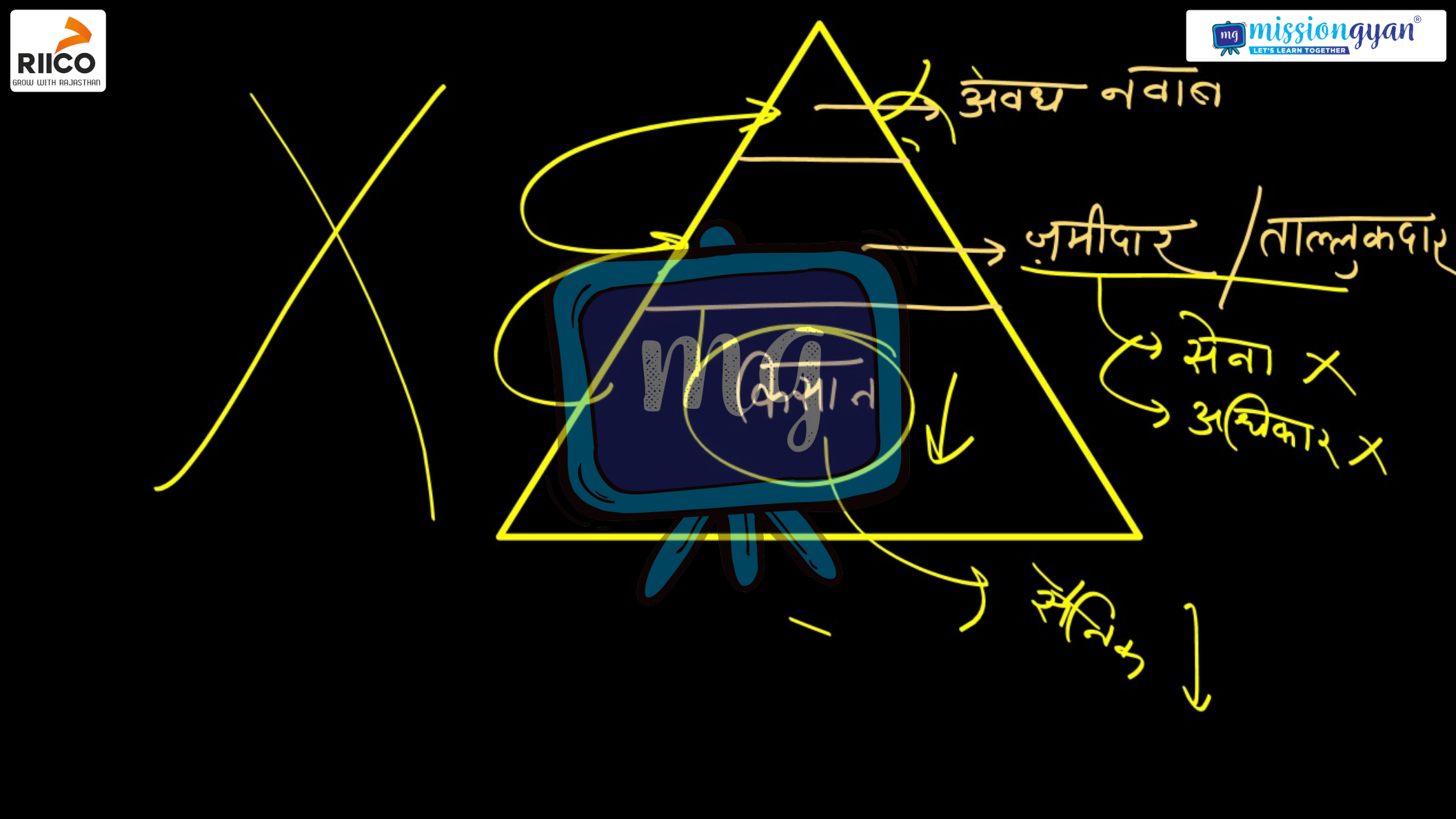
अवध नवाब
ज़मींदार / ताल्लुकदार
सेना ×
अधिकार ×
किसान
सैनिक

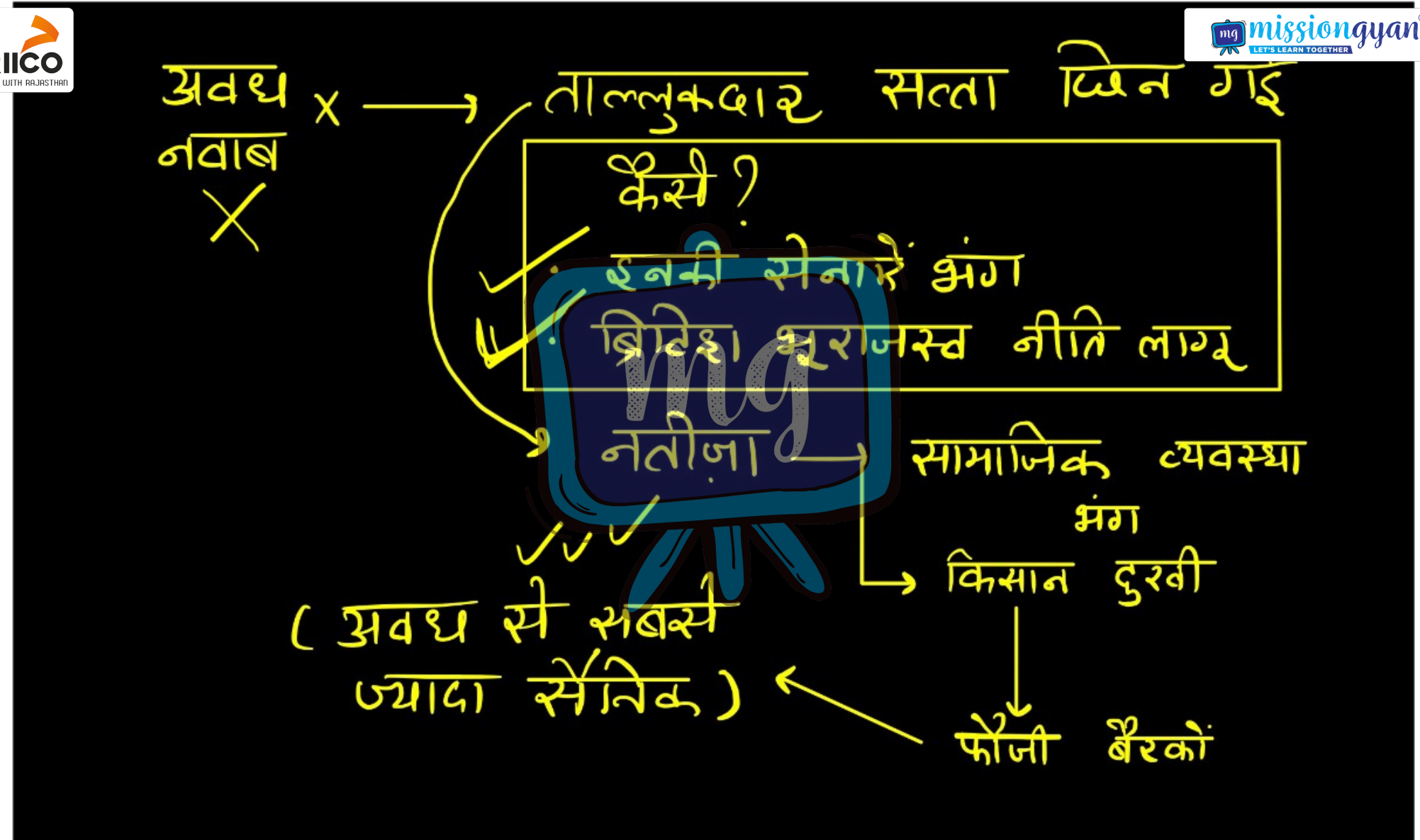
अवध नवाब
X
X
तालुकदार सत्ता छिन गई
कैसे ?
इनकी सेनाएं भंग
ब्रिटिश राजस्व नीति लागू
नतीजा
सामाजिक व्यवस्था भंग
किसान दुखी
फौजी बैरकों
(अवध से सबसे ज्यादा सैनिक)

सैनिक मे असंतोष

डाक सेवा?

1. कम वेतन
2. वक्त पर छुट्टी नहीं मिलना
3. अंग्रेजी अफसरों मे श्रेष्ठता का भाव - नस्ल भेद
4. गाली गलौच
5. मार पीट

युविधा पद।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. अवध अंग्रेज़ो के लिए महत्वपूर्ण क्यो था?

Q. अवध का अधिग्रहण कैसे हुआ?

Q. अवध का सामाजिक ढांचा क्यो गड़बड़ हुआ?

Q. सैनिको मे असंतोष के क्या कारण थे?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



"फिरंगी राज का आना और एक दुनिया का खात्मा"

अवध के नवाब

↓

ताल्लुकदार / जागीरदार – जागीरें थी।

↓

किसान / रैयत

- अवध सम्पन्न रियासत थी।
- लॉर्ड डलहौजी : ''ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुंह में आकर गिरेगा।''
- 1856 में लॉर्ड डलहौजी के द्वारा अवध का अधिग्रहण कर लिया गया।
- नवाब : वाजिद अलीशाह पर कुशासन का आरोप लगाया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विदोही क्या चाहते थे?

1. एकता की कल्पना
   - हिन्दु + मुस्लिम
   - दोनों का नफा नुकसान बराबर है।
   - बहादुर शाह - घोषणा
   - मुहम्मद और महावीर
   - अंग्रेजो की कोशिश बरकरार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. उत्पीडन के प्रतीकों के खिलाफ

- समझौते और कर्जे की निंदा
- भारतीय व्यापार को तबाह कर दिया
- जाति - धर्म को नष्ट करना चाहते हैं।

सूदखोरों के बही खाते जले दिये।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. वैकल्पिक सत्ता की तलाश

- दिल्ली, लखनऊ, कानपुर = सत्ता स्थापित प्रयास

→ पुरानी दरबारी संस्कृति
→ मूराजस्व - वेतन की व्यवस्था।
→ विभिन्न पदों पर नियुक्तियाँ
→ सेना की कमान श्रृंखला तय की गई।

अवध मे प्रतिरोध सबसे लंबे समय तक चला।


mg

Q. विद्रोही क्या चाहते थे?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

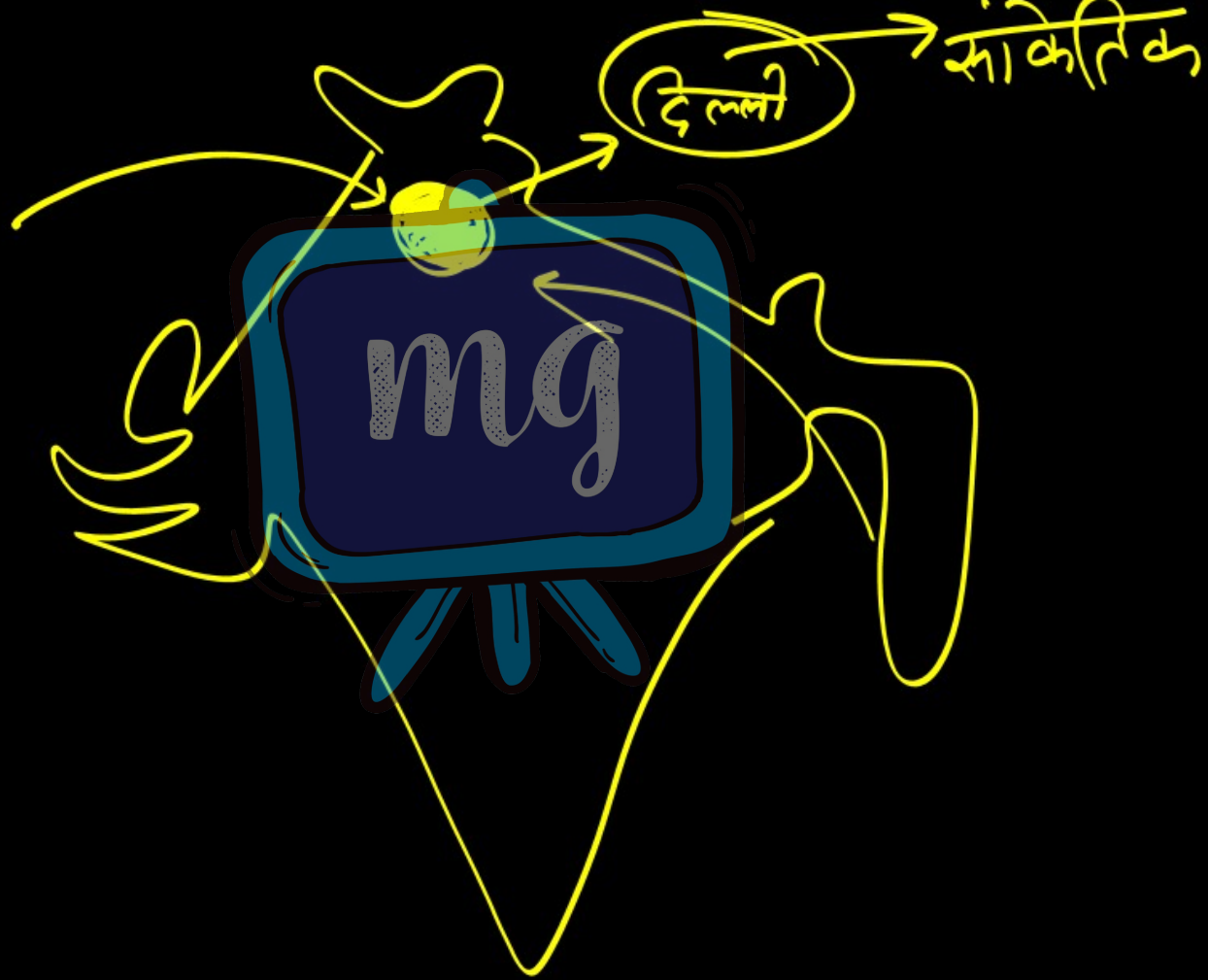

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. # दमन

- उत्तर भारत को शांत करने के लिए कानून
  - → मार्शल लॉ
- सामान्य अंग्रेज़ को अधिकार मिल गए = हिन्दुस्तानियों पर मुकदमा
  - ↓
  - सज़ा ए मौत

- कानून + नई टुकड़ी
  - ↓
  - विद्रोह को कुचलना शुरू

- सबसे पहले
  - (1) दिल्ली
  - क्यों : सांकेतिक महत्व

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पंजाब → दिल्ली ← कलकत्ता

② गंगा जमुना दोआब

- गॉव दर गॉव
- अंग्रेज़ अधिकारी - अनुमान
  3/4 वयस्क पुरुष
  क्रांतिकारी बन
- 1858 - नियंत्रण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ज़मींदार को कैसे लुभाया ?



- जागीरें लौटाई ✓
- ईनाम ✓
- सज़ा ✓
- नेपाल भाग गये

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोह की छवियां

- विद्रोह की छवि क्या थी, इस बारे में जानने के लिए हमारे पास बहुत कम दस्तावेज मौजूद हैं। केवल विद्रोहियों की कुछ घोषणाऐं, अधिसूचनाऐं तथा नेताओं के कुछ पत्र हैं।
- इस बारे में सरकारी ब्यौरो की कमी नहीं है, लेकिन ये औपनिवेशिक सरकार द्वारा लिखे गये ब्यौरे हैं।
- इस विद्रोह के बारे में कई चित्र, पोस्टर, कार्टून उपलब्ध हैं।

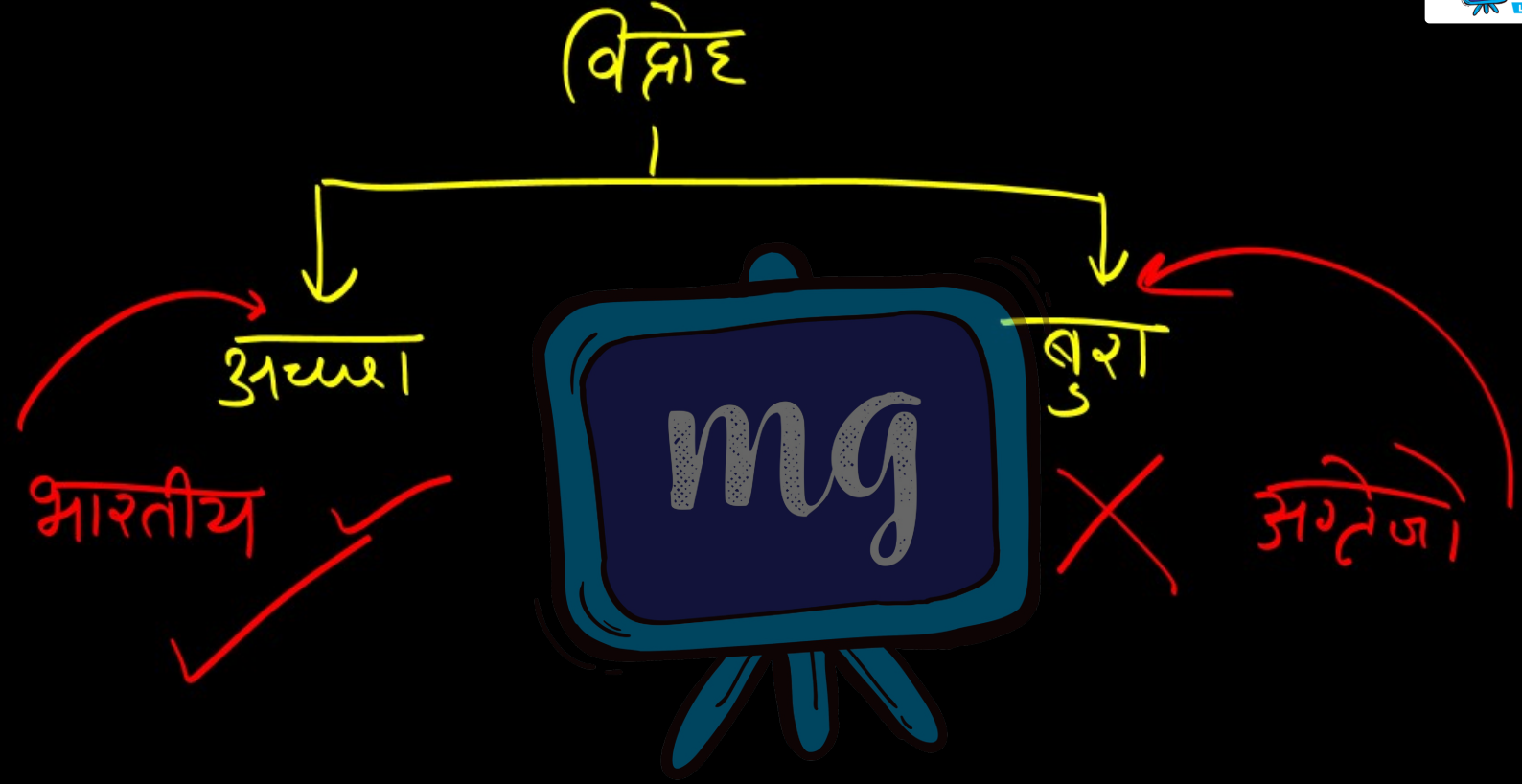
विद्रोह
अच्छा
बुरा
भारतीय
अंग्रेजो
mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. रक्षकों का अभिनंदन : अंग्रेजों द्वारा बनायी गयी कुछ तस्वीरों में अंग्रेजों को बचाने और विद्रोहियों को कुचलने वाले अंग्रेज नायकों का गुणगान किया गया है।



"द रिलीफ़ ऑफ़ लखनऊ" चित्रकार टॉमस जोन्स बार्कर, 1859

- चित्र में लखनऊ में विद्राहियों के दमन के बाद का दृश्य दिखाया गया है।
- लखनऊ का रेजीडेंट हेनरी लॉरेंस मारा गया।
- दमन – सितम्बर में आउट्रम और हेनरी हेवलॉक।
- कमाण्डर कॉलिन कैम्पबेल।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेज औरतें तथा ब्रिटेन की प्रतिष्ठा :-

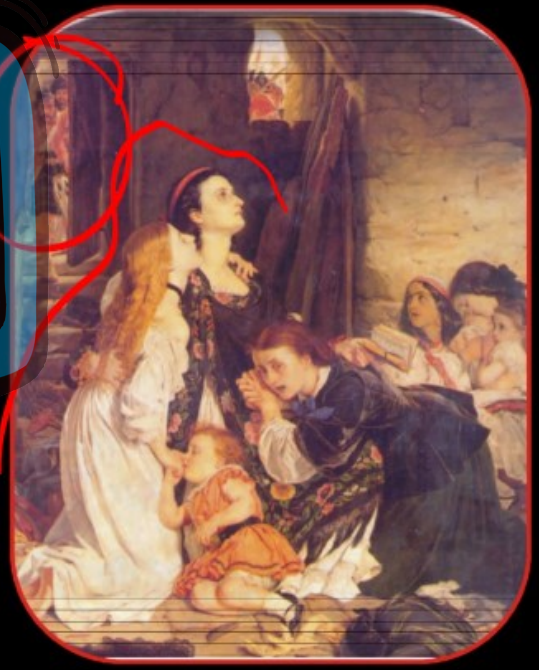

"इन मेमोरियम", चित्रकार जोज़ेफ़ नोएल पेटन, 1859

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



कानपुर में सिपाहियों से अपनी रक्षा करती मिस व्हीलर।

प्रतिशोध और सबक :-

- जैसे जैसे ब्रिटेन में गुस्से और सकते का माहौल बनता गया, बदले की मांग बुलंद होती गयी। विद्रोह के बारे में प्रकाशित चित्रों एवं खबरों ने ऐसा माहौल रच दिया।

जस्टिस (न्याय), पन्च, 12 सितंबर 1857
चित्र के नीचे पट्टी पर लिखा है–"कानपुर में हुए भीषण जनसंहार के समाचार ने समूचे इंग्लैंड में प्रतिशोध की गहरी चाह और भयानक अपमान का भाव पैदा कर दिया है।"





चित्र के नीचे पट्टी पर लिखा है- "बंगाल टाइगर से ब्रिटिश शेर का प्रतिशोध", पन्च, 1857

दहशत का प्रदर्शन :-

दया के लिए कोई जगह नहीं :-

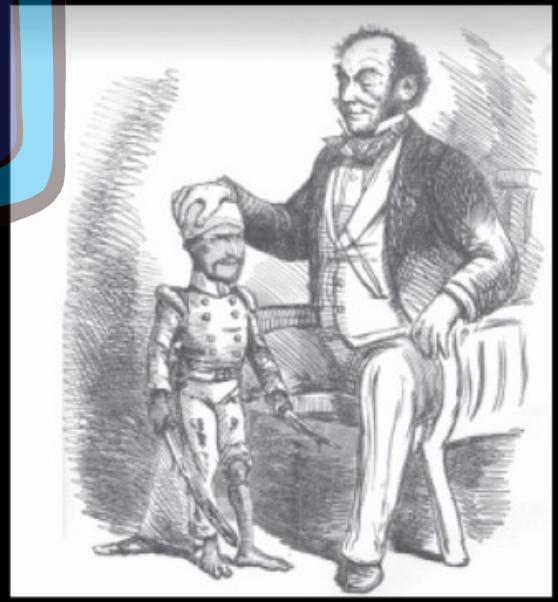

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना :-

- ब्रिटिश समाचार पत्रों में छपे चित्रों को देखकर वहां की जनता विद्रोहियों को कुचल डालने की आवाज उठा रही थी दूसरी तरफ भारतीय राष्ट्रवादी कल्पना को निर्धारित करने में मदद कर रहे थे।

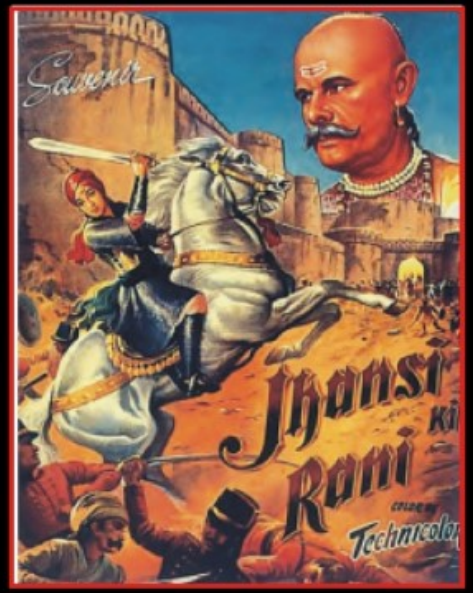

फ़िल्मों और पोस्टरों ने रानी लक्ष्मीबाई की छवि को एक मर्दाना योद्धा के रूप में स्थापित करने में मदद की।